Date- 20/5/2020

BA (III) Group A
Paper-7th, Industrial Psychology

Topic — Causes of accident (दुर्घटना के कारण)

दुर्घटना के कारण को दो भागों में विभाजित किया जाता है।

(1.) परिस्थिति जन्य कारण (Situational Causes)
(2.) व्यक्तिगत कारण (Personal Causes)

परिस्थिति जन्य कारण — वैसी दुर्घटना जो कार्य करने की अवस्थाओं तथा कार्य स्वरूप से संबंधित होता है जो निम्नलिखित है।

(1.) कार्य की अवधि (Hours of work) — किसी उद्योग, संगठन या संस्थानों में दुर्घटना का महत्वपूर्ण कारण कार्य करने की अवधि होता है रात में दिन की अपेक्षा कार्य होने पर दुर्घटना की दर कम होती है क्योंकि रात में कृत्रिम रोशनी की व्यवस्था होने पर दिन की रोशनी से तीव्रता अधिक होती है यदि कार्य के घंटों को कम कर दिया जाता है तो, दुर्घटना कम होती है कार्य की अवधि बढ़ जाने से दुर्घटना ज्यादा होने की संभावना रहती है।

(2.) रोशनी (Lightening) — रोशनी की कमी के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है एवं ज्यादा दुर्घटना होती है पर्याप्त रोशनी की अवस्था में दुर्घटना कम होती है

Page 2

(3) तापक्रम (Temperature) — किसी उद्योग, संगठन या संस्थानों के कार्य वातावरण में तापक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब तापक्रम 68°F से 70°F के लगभग होता है तो दुर्घटना की दर सबसे कम होती है और जब तापक्रम का स्तर 68°F से कम होता है तो दुर्घटना की संभावना ज्यादा होती है तथा तापक्रम 70°F से भी अधिक होने पर दुर्घटना की संभावना अधिक होती है। अधिक ताप या कम ताप के समय कार्यकर्ताओं की लापरवाही के वजह से दुर्घटना होती है।

(4.) उपकरण का डिजाइन (Design of an equipment) उद्योगों, संगठनों या संस्थानों में उपकरण का डिजाइन भी कार्यकर्ताओं के लिए चुनौती भरा होता है क्योंकि उपकरण का डिजाइन कार्यकर्ताओं के अनुरूप न होकर व्यवस्थापकों के अनुरूप होता है।

(5) उद्योग के प्रकार (Types of industry) दुर्घटना की बारंबारता पर उद्योग के प्रकार एवं कार्यों के स्वरूप का भी प्रभाव पड़ता है। शुल्ज एवं शुल्ज, 1987 के अनुसार वस्तुओं के निर्माण से संबंधित उद्योग, वानिकी एवं खनन से संबंधित उद्योग में दुर्घटना अधिक होती है जबकि आलुगोदाम, हवाईजहाज एवं मोटर गाड़ियों के पार्ट्स का निर्माण करने जैसे उद्योगों में दुर्घटना कम होती है।

(6) कार्यशाला की भौतिक स्थिति (Physical aspects of work place) — उद्योगों का भौतिक स्थिति आधुनिकता के कारण पहले से परिवर्तित हो गया है नये-नये तीव्र गतिवाले मशीनों के प्रयोग से कार्य की जटिलता एवं खतरा बढ़ गई है। इस प्रकार नये वातावरण में कार्य करने वाले कार्यकर्ता सक्षम नहीं है जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है।

व्यक्तिगत कारण (Personal factors Causes)

(1) संज्ञानात्मक क्षमताएं (Cognitive abilities) — संज्ञानात्मक क्षमता भी दुर्घटना का एक महत्वपूर्ण कारण है। गरबर्ट एवं केम्बलर (Gerbert and Kemmbler, 1986) ने प्रयोग द्वारा स्पष्ट किया है कि बमवर्षक हवाईजहाज, हेलिकॉप्टर एवं कार्गो के 1448 पायलटों का अध्ययन किया गया। इन पायलटों पर 303 एकांश वाली प्रश्नावली द्वारा उनके व्यक्तिगत कारकों, दैहिक तथा मनोवैज्ञानिक अवस्थाओं का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन से पायलट द्वारा की गई गलतियों का पता लगाया गया। उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि संज्ञानात्मक क्षमताओं में हुई च्युतियाँ (Lapses) भी दुर्घटना का कारण है।

(2) अल्कोहल एवं औषध का सेवन (Alcohol and drug use) – उद्योग में कार्य करने वाले कुछ कार्यकर्ता अल्कोहल या कुछ अवैध औषधि (illicit drugs) लेकर उद्योग में कार्य करने आते हैं ऐसी स्थिति में दुर्घटना होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है

(3.) स्वास्थ्य (Health) – खराब स्वास्थ्य के कारण उद्योग में कार्य करने वाले कर्मी या कार्यकर्ता अन्यमनस्क (चिन्ता) रहा करते हैं जिनके कार्य करने के लक्षण अन्य सामान्य कर्मी की अपेक्षा दुर्घटना की सम्भावना अधिक रहती है

(4) उम्र (Age) – दुर्घटना का एक महत्वपूर्ण कारण उद्योग में काम करने वाले कर्मी का उम्र होता है अधिक उम्र के कर्मी का कार्य अनुभव अधिक होता है उनके द्वारा दुर्घटनाएं कम होती हैं उम्र का सम्बन्ध कार्यकर्ताओं या कर्मी के स्वास्थ्य एवं मनोवृत्ति से भी होता है अधिक उम्र के कार्यकर्ता कम उम्र के कार्यकर्ता की अपेक्षा कम दुर्घटनाग्रस्त होते हैं

(5) थकान (fatigue) – थकान से उद्योग के उत्पादन में कमी के साथ-साथ दुर्घटना में वृद्धि अधिक होती है (शुक्ला एवं शुक्ला, 1990) ने अपने अध्ययन में पाया कि 8 घंटे के कार्य दिन होने पर उत्पादन तथा दुर्घटना में कमी आ जाती है परन्तु जब कार्य दिन या

अवधि 10 घंटे का होता है तो अंतिम दो घंटे में दुर्घटना में वृद्धि हो जाती है जिसका एक मात्र कारण थकान है।

(6) काम अनुभव (work experience) कार्य के अनुभव के कारण दुर्घटना की संभावना में कमी होती है। उद्योग में नये कार्यकर्ताओं द्वारा कार्य शुरू करने पर दुर्घटना की संभावना अधिक रहती है। कार्य अनुभव एवं प्रशिक्षण की कमी से भी दुर्घटना अधिक होती है।

(7.) व्यक्तिगत शीलगुण (Personality traits) — कार्यकर्ताओं में विशेष प्रकार का शीलगुण होना भी दुर्घटना का कारण माना जाता है। औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में यह पाया है कि अधिक दुर्घटना करने वाले कर्मचारी के कुछ ऐसे शीलगुण, जैसे संवेगात्मक शीलगुण पाए जाते हैं जो कम दुर्घटना करने वाले कर्मचारी में नहीं पाए जाते हैं। Shaw and Sichel, 1971 ने अपने अध्ययन द्वारा देखा कि अधिक दुर्घटना करने वाले कर्मचारी या कार्यकर्ता संवेगिक रूप से अस्थिर, प्राधिकार के प्रति वैरपूर्ण (hostile), अधिकेन्द्रित तथा दूसरों के साथ कम समायोजित थे जिनका कार्य इतिहास अनियमित था।

By — Kumar Patel, Assistant professor
Dept. of Psy., Maharaja College Ara